सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

शास्त्रार्थ/वाक्यार्थ

अनादि काल से आत्मा, जगत या उसके नियन्ता इत्यादि विषय मनुष्य के जिज्ञाष्य विषय रहे हैं। इनके विषय में चिन्तन की अनेकों धारायें हमारे वेद, उपनिषद, पुराण आदि में विस्तृत दरीदृश्यमान हैं। उन चिन्तनों के मूल्यांकन की एक विशेष विधि है जिसमें चिन्तक चिन्तित विषयों को सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत करता है तथा परिषद वृन्द उन चिन्तित विषयों का वाद, जल्प अथवा वितण्डा के रूप में समालोचनात्मक पद्धति से विचार करता है जिसे **शास्त्रार्थ** कहते हैं। जब चिन्तक प्रातिस्विक रूप से विषय प्रतिपादन करता है, तथा परिषद वृन्द चिन्तित विषय का आलोचन कर प्राश्निक के रूप में विषयों की आलोचना करते हैं, वह देश विशेष में **वाक्यार्थ** शब्द से व्यवहृत होता है। मूल्यांकन की एक विशेष विधि यह है कि चिन्तक एक विशेष विषय का चिन्तन करता है और आठ परिषद विभिन्न रीतियों से चिन्तक के चिन्तन का परीक्षण करते हैं, जिसे **अष्टावधान** कहा जाता है। उदाहरणार्थ -

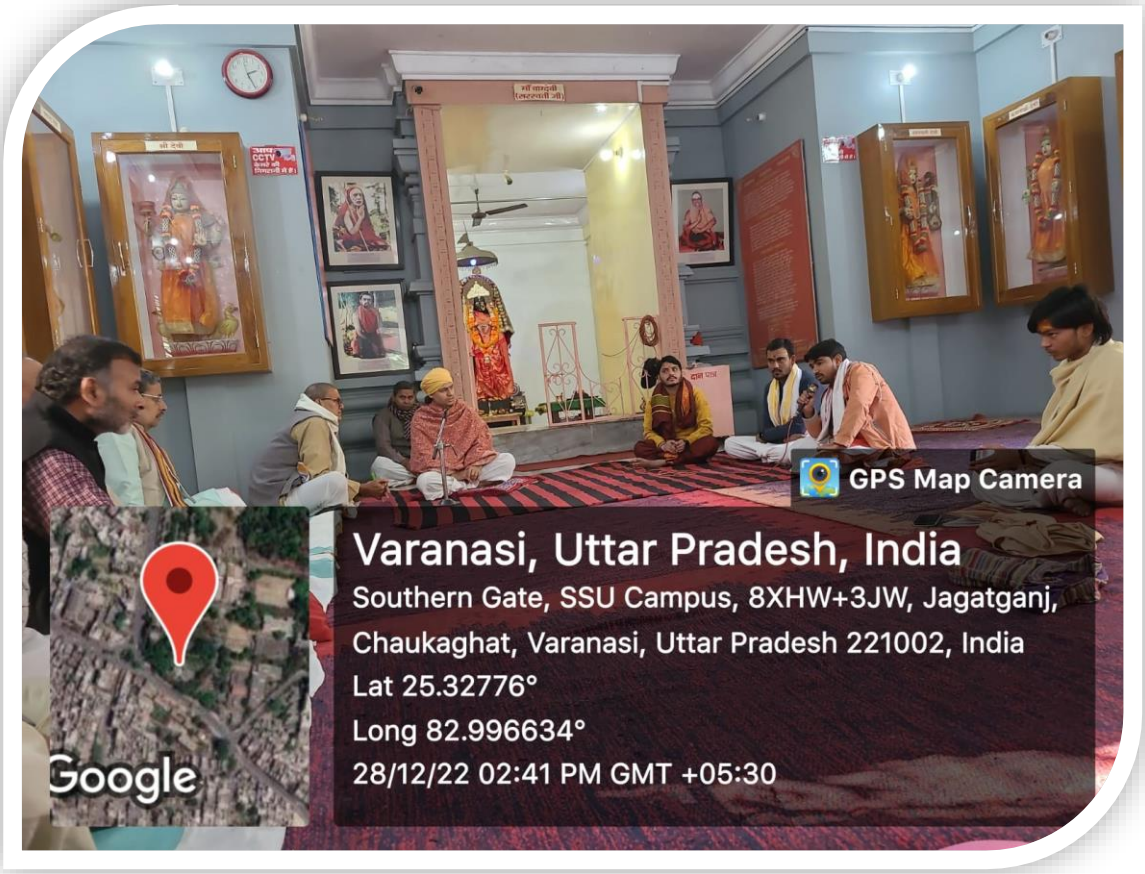

(शास्त्रार्थ सभा) वाग्देवी मंदिर

(वाक्यार्थ सभा) 12 जुलाई 2019 शताब्दी भवन

(अष्टावधान) 25-03-2023 पाणिनी भवन

.....

स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

पत्राङ्क : सा॰2467/2023 दिनाङ्क : 21 मार्च, 2023

कार्यालय-ज्ञाप

विश्वविद्यालय के 66वाँ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 25.03.2023 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से पाणिनि भवन सभागार में अष्टावधानी डॉ॰ उमामहेश्वरः एन॰ के निर्देशन में अखिल भारतीय अष्टावधान कार्यक्रम का आयोजन कुलपति महोदय की अध्यक्षता एवं प्रो॰ हरि प्रसाद अधिकारी तथा प्रो॰ दिनेश कुमार गर्ग के संयोजकत्व में आयोजित है। अष्टावधान कार्यक्रम सम्पादित करने हेतु अधोलिखित विद्वान सादर आमंत्रित है -

1. निषिद्धाक्षरी - प्रो॰ धर्मदत्त चतुर्वेदी, तिब्बती संस्थान,सारनाथ,वाराणसी
2. समस्यापूरणम् - प्रो॰ कमलाकान्त त्रिपाठी, सं॰सं॰वि॰वि॰,वाराणसी
3. दत्तपदी - डॉ॰ कुप्पा विल्वेश शर्मा, सं॰सं॰वि॰वि॰,वाराणसी
4. प्रतिमाला - डॉ॰ ज्ञानेन्द्र सॉपकोटा, सं॰सं॰वि॰वि॰,वाराणसी
5. काव्यवाचम् - प्रो॰ विजय कुमार पाण्डेय, सं॰सं॰वि॰वि॰,वाराणसी
6. आशुकाव्यम् - प्रो॰ कमलेश झा, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.,वाराणसी
7. अप्रस्तुतप्रसङ्ग - प्रो॰ शिवराम शर्मा, संस्कृत विद्या धर्म विज्ञान संकाय, का.हि.वि.वि.,वाराणसी
8. संख्याबन्धः - प्रो॰ सदाशिव द्विवेदी, संस्कृत विभाग, का.हि.वि.वि.,वाराणसी

उक्त कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त अध्यापकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों की उपस्थिति अपेक्षित है।

इस पर आधिकारिक स्वीकृति प्राप्त है।

21-3-23
कुलसचिव

प्रतिलिपि - निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. सचिव, कुलपति को कुलपति महोदय के अवलोकनार्थ।
2. समस्त संकायाध्यक्ष/विभागाध्यक्ष।
3. पुस्तकाध्यक्ष।
4. निदेशक प्रकाशन/अनुसंधान।
5. संयोजक 1. प्रो॰ हरि प्रसाद अधिकारी।
   2. प्रो॰ दिनेश कुमार गर्ग।
6. मुख्य प्रतिपालक/समस्त प्रतिपालक छात्रावास।
7. समन्वयक, आई॰क्यू॰ए॰सी॰।
8. विनयाधिकारी।
9. परीक्षा नियंत्रक।
10. समस्त सहायक कुलसचिव।
11. आशुलिपिक कुलसचिव/वित्त अधिकारी।
12. अधीक्षक लेखा।
13. प्रभारी, सम्पत्ति विभाग को इस आशय से कि कार्यक्रम के निमित्त आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु।
14. प्रभारी, उद्यान विभाग को पुष्प सज्जा आदि की व्यवस्था हेतु।
15. जनसम्पर्क अधिकारी।
16. समस्त विभागानुभाग।
17. समस्त सूचना पट्ट।
18. सम्बद्ध पत्रावली।

21-3-23
कुलसचिव